आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 243 | उज्जैन, बुधवार 23 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश स्वच्छता क्षेत्र में निरंतर रहेगा आगे-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्वच्छता ट्राफी और प्रशस्ति-पत्र सौपा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार की शाम मंत्रालय में भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्रीमती राय ने राष्ट्रपति द्वारा भोपाल को स्वच्छता क्षेत्र में दिये गये प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्य प्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महापौर श्रीमती मालती राय सहित नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रविंद्र यति, श्री राजेश हिंगोरानी और अन्य पदाधिकारी गण को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भोपाल, इंदौर सहित मध्यप्रदेश के अन्य शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पुरस्कारों से गत सप्ताह सम्मानित किया। भोपाल को 10 लाख से अधिक जनसंख्या की श्रेणी में स्वच्छ शहर का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बुधनी नगर निकाय के पदाधिकारी गण ने भी भेंट की और 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी के पुरस्कृत होने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों निकायों के पदाधिकारियों को बधाई दी। महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भोपाल नगर के सफाई मित्रों को भी पुरस्कृत किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि भोपाल के साथ ही इंदौर को 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाली स्वच्छ लीग अवार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर से पुरस्कृत किया गया। इसी श्रेणी में 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अब दुश्मन की खैर नहीं! भारत पहुंची अपाचे हेलीकॉप्टर की पहली खेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंच चुका है। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। अमेरिका से आए ये अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने वाले हैं। इन्हें जोधपुर में तैनात किया जाएगा।

अपाचे हेलीकॉप्टर की गिनती एडवांस कॉम्बेट हेलीकॉप्टरों में होती है। इससे भारतीय सेना की मजबूती में चार चांद लग गए हैं। सेना ने भी अपाचे की एंट्री पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है।

सेना ने शेयर की तस्वीर- भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय सेना में शामिल हुए अपाचे। यह सेना के लिए ऐतिहासिक पल है। अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंच चुका है। इससे भारतीय सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में इजाफा होगा।

सेना के पास हुए 25 हेलीकॉप्टर- अपाचे हेलीकॉप्टर का पहला बैच 15 महीनों की देरी के बाद मिला है। अमेरिकी कंपनी बोइंग ने यह हेलीकॉप्टर तैयार किए हैं। भारत ने बोइंग को 2020 में 6 अपाचे हेलीकॉप्टर का ऑर्डर दिया था, जिनकी डिलीवरी पिछले साल ही होनी थी। पहली खेप में अमेरिका से 3 अपाचे हेलीकॉप्टर भारत पहुंचे हैं।

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर फंसे F-35 लड़ाकू विमान ने 38 दिन बाद भरी उड़ान, यूके ने कहा- थैंक्यू इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश नौसेना का लड़ाकू विमान एफ-35 आखिरकार ब्रिटेन के लिए रवाना हो गया है। लगभग एक महीने से भारत में खड़े रहे इस विमान ने आज तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से उड़ान भरी है।

ब्रिटिश नेवी का यह एअरक्राफ्ट HMS प्रिंस ऑफ वेल्स का हिस्सा है। इसने 14 जून को केरल के तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग की थी। विमान में तकनीकी खराबी के कारण यह उड़ान नहीं भर सका था।

38 दिन पहले हुई इमरजेंसी लैंडिंग- बता दें कि नियमित उड़ान के दौरान फाइटर जेट का हाइड्रोलिक सिस्टम खराब हो गया था। ऐसे में विमान ने तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग की परमीशन मांगी, जिसके बाद यह तिरुवनंतपुरम एअरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुआ। भारतीय वायुसेना ने भी विमान को जरूरी मदद मुहैया कराई। विमान में ईंधन भरा गया। हालांकि, इसके बावजूद यह उड़ान नहीं भर सका।

हमें गहरा सदमा लगा..., जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर रिश्तेदारों ने क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इसके पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया। उनके इस्तीफे को लेकर राजनीति में एक नई चर्चा होने लगी है।

राजस्थान के झुंझुनू में जगदीप धनखड़ के पैतृक गांव किठाना के स्थानीय लोगों ने उपराष्ट्रपति पद से उनके इस्तीफे के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त किया है। उनके गांव के लोगों को भी समझ नहीं आ रहा है कि अचानक अपने कार्यकाल के पूरा होने से पहले धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा क्यों दे दिया।

खबर सुनकर लगा सदमा- बता दें कि जगदीप धनखड़ के रिश्तेदार किठाना निवासी हरेंद्र धनखड़ ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए बताया कि उनके इस्तीफे की खबर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा। यह भी सच है कि मार्च में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी। पिछले महीने जब वह उत्तराखंड गए थे, तो वहाँ भी उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि जगदीप धनखड़ ने गांव के स्कूलों और गौशालाओं को आर्थिक मदद की है।

जगदीप धनखड़ के रिश्तेदार हरेंद्र धनखड़ ने आगे कहा कि जब वह साल 2022 में देश उप राष्ट्रपति बने तो पूरे गांव में खुशी की लहर थी। किठाना के एक किसान का बेटा देश का उपराष्ट्रपति बना। उन्होंने स्कूल और गौशाला को भी काफी आर्थिक मदद की थी। हरेंद्र धनखड़ ने आगे कहा कि गांव के लोग धनखड़ के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

आधार, वोटर ID और राशन कार्ड पर भरोसा नहीं कर सकते; SIR को लेकर EC ने सुप्रीम कोर्ट में क्या-क्या दलीलें दी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर वोटर लिस्ट रिवीजन का काम किया जा रहा है। वोटरों को वोट से वंचित करने का आरोप लगाकर विपक्ष चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रहा है। चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची में छेड़छाड़ के उन आरोपों का खंडन किया है।

बिहार में एसआईआर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में आयोग ने कहा कि वह मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभा रहा है, जिससे मतदाताओं को कोई दिक्कत नहीं है।

वहीं, आयोग ने कोर्ट में बिहार में मतदाता सूची के लिए आधार कार्ड , मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज मानने के सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम दृष्ट्या मत से असहमति जताई। चुनाव आयोग ने न्यायालय से कहा कि इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

चुनाव आयोग ने कहा कि आधार सिर्फ एक पहचान प्रमाण है; देश में बड़ी संख्या में फर्जी राशन कार्ड हैं; और मौजूदा मतदान कार्ड पर निर्भर रहने से विशेष अभियान निरर्थक हो जाएगा।

हालांकि, चुनाव आयोग ने जोर देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम न होने के कारण किसी व्यक्ति की नागरिकता समाप्त नहीं होगी। देर शाम सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक विस्तृत हलफनामे में चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी कानून और मतदाता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ है।

एअर इंडिया ने पूरी की बोइंग विमानों की जांच, कहा- फ्यूल स्विच में नहीं मिली कोई खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने सभी बोइंग 787 और बोइंग 737 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच के लॉकिंग सिस्टम का एहतियाती निरीक्षण पूरा कर लिया है। विमान कंपनी ने यह भी कहा कि निरीक्षण के दौरान उसने कोई खामी नहीं पाई है।

एअर इंडिया ने अपने विमानों का निरीक्षण तब किया है जब एएआईबी ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में कहा था कि अहमदाबाद एअर इंडिया क्रैश में विमान के फ्यूल स्विच अचानक कट ऑफ हो गया था।

भारत-अमेरिका के बीच होने जा रही ये मिनी डील? 1 अगस्त से पहले मिलेगी खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर है। भारत अंतरिम मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब है और सितंबर या फिर अक्टूबर तक इसकी घोषणा होने की उम्मीद है।

ट्रेड डील पर बातचीत करने के लिए अमेरिका गया भारतीय डेलिगेशन शनिवार (19 जुलाई, 2025) को पांचवें दौर की वार्ता के बाद वापस आ चुका है। इसके बाद अमेरिकी डेलिगेशन अगस्त के मध्य में भारत आ सकता है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त तक की डेडलाइन दे रखी है।

डेडलाइन के बारे में क्या बोले यूएस कॉमर्स सेक्रेटरी- इस समयसीमा को लेकर अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटकिन ने पिछले सप्ताह एक टीवी इंटरव्यू के दौरान कहा था, ÷1 अगस्त के बाद देशों को हमसे बातचीत करने से कोई नहीं रोक सकता लेकिन ये एक हार्ड डेडलाइन है। वे एक अगस्त से टैरिफ का भुगतान का भुगतान शुरू करने जा रहे हैं। हालांकि भारत स्टील, ऑटोमोटिव पार्ट्स और एल्युमीनियम पर भारी टैरिफ से बचने के लिए समय रहते एक मिनी डील पर काम कर सकता है।

भारत पर क्या होगा असर- वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भारत-अमेरिका के बीच मिनी डील नहीं भी होती है और ट्रंप प्रशासन 26 प्रतिशत टैरिफ लागू कर देता है तो भी भारत पर इसका बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्टील पर टैरिफ के अलावा कृषि और ऑटोमोबाइल से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। भारत ने डेयरी क्षेत्र में शुल्क रियायतों की अमेरिकी मांग पर अपना कड़ा रुख अपनाया हुआ है। भारत ने किसी भी एफटीए साझेदारी को ऐसी रियायतें नहीं दी हैं।

भारत ने अमेरिका से क्या की मांग- भारत ने 26 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ को हटाने की भी मांग की है। साथ ही इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात पर 50 प्रतिशत और ऑटोमोटिव क्षेत्र पर 25 प्रतिशत के आधार टैरिफ को भी हटाने की मांग की है। इसके अलावा टेक्सटाइल सेक्टर के लिए भी रियायतें मांगी हैं। भारत ने अमेरिका से कहा है कि विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत, वह अमेरिकी आयातों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार रखता है।

सिर्फ गोली मारने की इजाजत- पाकिस्तान में हॉरर किलिंग का खौफनाक मंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक यंग कपल की निर्मम हत्या को दिखाया गया है। कहा जा रहा है कि ये हत्याएं इसलिए की गई क्योंकि इन लोगों ने परिवार के खिलाफ जाकर शादी कर ली थी।

वायरल वीडियो में क्वेटा के बाहरी इलाके में एक सुनसान इलाके में एक एसयूवी और पिकअप ट्रक में सवार कुछ लोग दिखाई दे रहे हैं, जहां इस कपल को गाड़ी से उतारा जा रहा है। महिला जो है सिर को शॉल से ढके हुए है और उसे कुरान की एक कॉपी दी जाती है। वह इसे लेकर एक सुनसान पहाड़ी की ओर बढ़ती है और भीड़ उसे देखती रहती है।

मेरे साथ सात कदम चलो- महिला इलाकाई भाषा ब्राहवी में एक शख्स से कहती है, मेरे साथ सात कदम चलो, उसके बाद तुम मुझे गोली मार सकते हो। वो कुछ कदम चलते हैं, जिसके बाद महिला ने कहती है, तुम्हें सिर्फ मुझे गोली मारने की इजाजत है। बस इतना ही। हालांकि ये साफ नहीं है कि महिला ने बस इतना ही जैसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया? या फिर उसके ये कहने का मतलब क्या था?

उसके पीछे चल रहे आदमी ने उसके संकेतों को निर्देशों के रूप में लिया और उसकी पीठ पर पिस्तौल तान दी। इसके बाद शख्स ने पास से कई राउंड गोलियां चलाईं और तीसरे राउंड की गोली आवाज आते ही महिला जमीन पर गिर जाती है और संभवतः मर जाती है।

वीडियो वायरल होने के बाद गुस्से का माहौल- इसके बाद गोलियों की आवाज फिर से आती है और वीडियो में खून से तथपथ एक शख्स महिला के शव के पास पड़ा हुआ दिखाई देता है। वहीं, भीड़ नारेबाजी कर रही होती है। कहा जा रहा है कि ये घटना ईद-उल-अजहा 2025 से तीन दिन पहले घटी थी। ये वीडियो वायरल होने के बाद पाकिस्तान और उसके बाहर गुस्से का माहौल है और मामले में न्याय की मांग की जा रही है।

स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दंपति की पहचान बानो बीबी और अहसान उल्लाह के रूप में की गई है। इस हॉरर किलिंग के मामले में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि इस हत्या के पीछे आदिवासी मुखिया सरदार सतकजई का हाथ है। इसी के पास आकर महिला के भाई ने शादी के बारे में शिकायत की थी।

लाइव इंटरव्यू कर रहा था सीएनएन का पत्रकार, बेटे ने बीच में डाला खलल तो सोशल मीडिया पर हो गया वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीएनएन के पत्रकार ब्रायन स्टेल्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। दरअसल वो होस्ट जेसिका डीन के साथ लाइव इंटरव्यू कर रहे थे और इस बीच उनका पांच साल बेटा आ जाता है और खलल डाल देता है।

रविवार (21 जुलाई, 2025) को सीएनएन के लाइव सेगमेंट के दौरान स्टेल्टर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से द वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ दायर 10 अरब डॉलर के मानहानि के मुकदमे पर चर्चा कर रहे थे। स्टेल्टर और जेसिका एक नीले रंग के बैकग्राउंड के सामने बैठे दिखाई दिए। ऐसा लग रहा था मानो किसी टीवी स्टूडियो की सेटिंग हो।

घर पर बैठे लाइव शो कर रहे थे सीएनएन के पत्रकार- हालांकि इस बीच अचानक ही स्टेल्टर का बेटा स्क्रीन पर आ जाता है और तब पता चलता है कि वह घर से काम कर रहे थे। ये पल कैमर पर कैद हो गया और उनका बेटा हल्की सी मुस्कान के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। स्टेल्टर ने इस पल से खुद को बचाने की कोशिश की और अपने मेहमान के साथ बातचीत जारी रखी।

बच्चे को देख गेस्ट के चेहरे पर भी आई मुस्कान- वहीं दूसरी ओर इंटरव्यू के लिए आई गेस्ट जेसिका के चेहरे पर भी हल्की सी मुस्कान दिखाई दी। जब इंटरव्यू खत्म हुआ तो होस्ट जेसिका ने स्क्रीन पर बच्चे के आने की बात स्वीकार की और कहा, ठीक है स्टेल्टर, आपका शुक्रिया। और मुझे लगता है कि आपके साथ एक छोटा हेल्पर भी था और उसे भी धन्यवाद।

मेरी आंखों के सामने जिंदा जले बच्चे, महिला टीचर ने सुनाई आपबीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्णिमा दास पेशे से अध्यापिका हैं। रोज की तरह सोमवार को भी वो बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल गई थीं। पूर्णिमा अपनी क्लास खत्म करके स्टाफ रूम में पहुंची ही थीं कि बाहर एक जोरदार धमाका सुनाई दिया। पूर्णिमा जल्दी से भागकर बाहर आईं तो उनके साथ पढ़ाने वाले एक टीचर तेजी से पूर्णिमा की तरफ भागकर आ रहे थे। उनका पूरे शरीर में आग लगी थी और वो बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। इससे पहले की पूर्णिमा कुछ समझ पाती वो शख्स जमीन पर गिर गया।

पूर्णिमा बुत बनी वहीं खड़ी रहीं। जब उन्होंने अपने आसपास नजर दौड़ाई तो देखा स्कूल के पूरे कॉरिडोर में आग फैल चुकी हैं। जिन बच्चों को वो अभी कुछ देर पहले ही पढ़ाकर आई थीं, वो बच्चे आग का गोला बनकर खुद के बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।

27 लोगों की मौत- यह खौफनाक मंजर बांग्लादेश के ढाका में स्थित माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज का था। सोमवार को वायुसेना का एक विमान असंतुलित होकर स्कूल पर जा गिरा। इस हादसे में 16 बच्चों समेत 19 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग आग में बुरी तरह से झुलस गए थे।

रूस के मिग-21 से चीन ने कैसे बनाया था जे-7 फाइटर जेट? बांग्लादेश क्रैश के बाद चर्चा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में बना एफ-7 लड़ाकू विमान बीते दिन ढाका के स्कूल से टकरा कर क्रैश हो गया। इस हादसे में 27 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। एफ-7 लड़ाकू विमान को ग्रैंडपा फाइटर जेट भी कहा जाता है। इसे चीन ने 1960 में रूस (तब सोवियत संघ) के साथ मिलकर बनाया था।

वर्तमान में बांग्लादेश के अलावा पाकिस्तान, ईरान, म्यांमार, नामीबिया, नाइजीरिया, उत्तर कोरिया, श्रीलंका, सुडान, तंजानिया और जिम्बॉम्बे समेत कई देश एफ-7 विमानों का इस्तेमाल करते हैं।

जे-7 का एडवांस वर्जन है एफ-7- बांग्लादेश के पास कुल 36 एफ-7 फाइटर जेट हैं। वहीं, 120 एफ-7 के साथ पाकिस्तान के पास सबसे ज्यादा फाइटर जेट हैं। हालांकि, चीन ने ज्यादातर एअरक्राफ्ट या तो अमेरिका से कॉपी करके बनाए हैं या फिर रूस से। एफ-7 फाइटर जेट भी इस अपवाद से परे नहीं है। चीन का एफ-7 जेट काफी हद तक मिग-21 से मिलता-जुलता है।

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद क्यों चर्चा में आए बोस्टन ब्राह्मण? एस्ट्रोनॉमर की HR हेड क्रिस्टिन कैबोट से कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बोस्टन में आयोजित कोल्ड प्ले का कॉन्सर्ट लगातार सुर्खियों में है। कॉन्सर्ट के दौरान एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन अपनी ही कंपनी की पब्लिक ऑफिसर क्रिस्टिन कैबोट के साथ रोमांस करते नजर आए। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद बायरन को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। मगर, क्या आप जानते हैं कि क्रिस्टिन कैबोट कौन हैं?

क्रिस्टिन कैबोट अमेरिका के सबसे रईस परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी शादी एंड्रयू कैबोट से हुई है, जो प्राइवेटीयर रम कंपनी के मालिक हैं। वहीं, कैबोट परिवार को बोस्टन ब्राह्मण भी कहा जाता है।

बोस्टन ब्राह्मण कौन हैं- बोस्टन ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले ऑलिवर वेंडेल होम्स ने अपने उपन्यास में किया था। 1861 में ऑलिवर ने एल्सी वेनर नामक नोवेल में बोस्टन के अमीर परिवारों को न्यू इंग्लैंड का ब्राह्मण वर्ग बताया था। दरअसल उन्होंने यह नाम भारत से लिया था। भारत में उच्च वर्ग के लोगों को ब्राह्मण की संज्ञा दी जाती है। ऐसे में कैबोट परिवार को भी बोस्टन का ब्राह्मण कहा जाता है।

अमीरों की लिस्ट में शुमार- अमेरिका में बोस्टन ब्राह्मण का वर्चस्व काफी पुराना है। यह लोग मूल रूप से अमेरिका के मर्चेंट होते थे, जिन्होंने व्यापास में भारी मुनाफा कमाकर अमीरों की लिस्ट में अपनी जगह बना ली थी। बोस्टन ब्राह्मण में से एक कैबोट फैमिली के बारे में अमेरिका में एक प्रचलित कहावत है कि कैबोट्स सिर्फ भगवान से बातें करते हैं।

पैसेंजर प्लेन से टकराते-टकराते बचा Bomber Jet, हवा में अटकी रही यात्रियों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नॉर्थ डकोटा में एक पैसेंजर प्लेन को तेज रफ्तार आर्मी बॉम्ब जेट की वजह से रास्ता बदलना पड़ा। अगर विमान ने वक्त रहते रास्ता नहीं बदला होता तो आसमान में भयानक विस्फोट हो जाता है।

दरअसल डेल्टा फ्लाइट- 788 मिनियापोलिस से मिनोट शहर की ओर बढ़ रही थी, जब पायलट ने दाहिनी ओर से आते एक विमान को देखकर तेजी से मोड़ लिया। इस खतरनाक पल ने यात्रियों के दिल की धड़कनें बढ़ा दीं थी। पायलट ने यात्रियों से कहा, मुझे नहीं पता वो कितनी तेजी से आ रहा था, लेकिन वो हमसे कहीं ज़्यादा तेज था। मैंने सोचा कि इसके पीछे मुड़ना ही सबसे सुरक्षित है।

शहर में सिविल एअरपोर्ट और मिलिट्री एअरपोर्ट आसपास- स्काईवेस्ट ने शुक्रवार को हुए इस घटना की जांच शुरू कर दी है। कंपनी का कहना है कि विमान को मिनोट टावर से उतरने की इजाजत मिली थी, लेकिन रास्ते में दूसरा विमान दिखने पर उसे गो-अराउंड करना पड़ा।

वहीं अमेरिकी वायुसेना ने पुष्टि की कि नॉर्थ डकोटा स्टेट फेयर के लिए एक बी-52 बमवर्षक उड़ान भर रहा था। ये फेयर मिनोट में ही हो रहा था। मिनोट में एक वाणिज्यिक हवाई अड्डा और अमेरिकी वायुसेना का अड्डा दोनों मौजूद हैं।

कंट्रोल टावर की ओर मिलिट्री विमान की नहीं थी जानकारी- इंस्टाग्राम पर वायरल एक वीडियो में पायलट ने बताया कि मिनोट टावर ने उन्हें कोई चेतावनी नहीं दी थी।

आपकी अर्थव्यस्था चौपट कर देंगे..., अमेरिकी सांसद ने क्यों दी भारत और चीन को धमकी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस को यूक्रेन के साथ सीजफायर पर राजी करने के लिए ट्रंप हर मुमकिन हथकंडा अपना रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रंप ने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर भी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। वहीं, अब ट्रंप की पार्टी के सांसद ने भारत और चीन को खुली धमकी दे डाली है।

रिपब्लिकन पार्टी के सांसद लिंडसे ग्राहम ने भारत और चीन को हिदायत दी है कि अगर उन्होंने रूस से व्यापार जारी रखा तो ट्रंप दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगा देंगे।

500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव- दरअसल ग्राहम ही वो शख्स हैं, जिन्होंने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव पेश किया था। इस लिस्ट में भारत और चीन का नाम शामिल था। वहीं, अब ग्राहम ने धमकी दी है कि अगर इन देशों ने रूस से सामान खरीदना बंद नहीं किया तो इनकी अर्थव्यस्था बर्बाद हो जाएगी।

फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में लिंडसे ग्राहम ने कहा- चीन, रूस और ब्राजील जैसे देश, जो रूस से तेल खरीदते हैं , ट्रंप जल्द ही उनपर टैरिफ लगाने वाले हैं। मैं इन देशों से यही कहना चाहता हूं कि अगर आपने कम पैसों के चलते रूस से खरीददारी जारी रखी तो जंग चलती रहेगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम आपको बुरी तरह से बर्बाद कर देंगे। आपकी अर्थव्यस्था चौपट कर दी जाएगी।

पेट्रोल पंप पर महिला के साथ दर्दनाक हादसा, शख्स ने चढ़ा दी कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। पेट्रोल पंप पर काम करने वाली एक महिला को कार कुचलते हुए निकल गई। हादसे के बाद ड्राइवर कार लेकर फरार हो गया और महिला दर्द में कराहते हुए जमीन पर ही पड़ी रही। इस पूरी घटना का वीडियो सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया है।

यह मामला सूरत के पालोद का है। घायल महिला की पहचान 35 वर्षीय महिला संगीताबेन ठाकोर के रूप में हुई है, जो मुंबई-अहमदाबाद रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप पर सफाई कर्मचारी का काम करती हैं।

कैसे हुआ हादसा- कोसंबा पुलिस के अनुसार, पेट्रोल पंप पर एक क्रेटा की कार आई। संगीताबेन पास में ही सफाई कर रही थीं। ड्राइवर ने कार में पेट्रोल भरवाया और जैसे ही गाड़ी आगे बढ़ाई, अचानक संतुलन बिगड़ गया और कार संगीताबेन के ऊपर चढ़ गई।

हादसे के बाद फरार हुआ आरोपी- कार संगीताबेन के दाहिने पैर पर चढ़ी, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर आ गया। वहीं, हादसे के बाद ड्राइवर ने कार रोकने की बजाए रफ्तार बढ़ा ली और मौके से फरार हो गया। पेट्रोल पंप में मौजूद लोग महिला की मदद के लिए दौड़े फौरन मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

पुलिस ने शुरू की जांच- पुलिस ने घटना का सीसीटीवी फुटेज खंगाला, तो देखकर दंग रह गई। इस हादसे में संगीता की जान बाल-बाल बची। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार और कार चालक को ढूंढा जा रहा है। वहीं, घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बीकानेर में दो कारों की टक्कर में 5 लोगों की मौत, कटर से काटकर बाहर निकाले शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया है। इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। हादसे में 2 कारें भी बुरी तरह से चकनाचूर हो गई हैं।

यह हादसा बीती रात बीकानेर हाईवे पर सिखवाल के पास देखने को मिला। तेज रफ्तार से आ रहीं दो कारें आपस में टकरा गईं। कारों में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 की मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा- हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कारों के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार 5 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, कुछ लोग खिड़की टूटने के बाद काफी दूर जाकर गिरे।

कार में फंसा रह गया शव- पुलिस ने बताया कि एक शव कार में ही फंसा हुआ था, जिसे काफी देर की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका है। शव बाहर निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल किया गया। सभी शवों को जिला अस्पताल के शवगृह में भेजा दिया गया है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर आया पीएम मोदी का पहला बयान, कहा- उनकी अच्छी सेहत की कामना करता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मानसून सत्र के पहले दिन इस्तीफा दे दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद मंगलवार को उनका इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूर कर लिया है।

इस्तीफे के मंजूरी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा है, ÷जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

इस्तिफे में धनखड़ ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मु का किया था शुक्रिया- धनखड़ ने अपने पत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का शुक्रिया अदा किया और उनके साथ बेहतरीन कामकाजी रिश्तों की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, ÷मैं माननीय राष्ट्रपति के अटूट समर्थन और हमारे बीच बने शानदार कामकाजी रिश्ते के लिए तहे-दिल से शुक्रगुजार हूं।

उन्होंने प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री का सहयोग और समर्थन अनमोल रहा। मैंने अपने कार्यकाल में बहुत कुछ सीखा। संसद के सभी माननीय सदस्यों का प्यार, भरोसा और स्नेह मेरे दिल में हमेशा बसता रहेगा।÷

हाईवे पर रील बनाना पड़ा भारी, हाईकोर्ट पहुंचा मामला; पुलिस को कठोर कार्रवाई न करने पर लगी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिलासपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर रील बनाना कुछ रईसजादों को भारी पड़ गया है। अब यह मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने इस मामले पर बिलासपुर पुलिस को तगड़ी फटकार लगाई है।

छत्तीसगढ़ में दो जजों की बेंच जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु ने मामले गंभीर चिंता जताते हुए पुलिस के द्वारा कड़ी कार्रवाई न करने पर सवाल खड़े किए हैं।

पुलिस से पूछा सवाल- हाईकोर्ट ने बिलासपुर पुलिस से पूछा कि मुख्य हाईवे पर इस तरह से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मामूली जुर्माना लेकर मामला रफा-दफा कर दिया। आखिर क्यों? हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से लिखित एफिडेविट में जवाब मांगा है।

क्या है पूरा मामला- दरअसल बिलासपुर के नेशनल हाईवे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जहां, रील बनाने के लिए कुछ लोगों ने गाड़ियों से हाईवे ब्लॉक कर दिया था। मुख्य आरोपी की पहचान वेदांश वर्मा के रूप में हुई है। वेदांश ने काले रंग की नई स्कॉर्पियो कार खरीदी थी। ऐसे में वेदांश नई कार के साथ बिलासपुर-रायपुर हाईवे पर दोस्तों के साथ रील बना रहा था। इस दौरान हाईवे ब्लॉक कर दिया गया था।

पुलिस ने काटा था चालान- घटना की जानकारी मिलने के बाद बिलासपुर पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामूली चालान काटा और आरटीओ को पत्र लिखकर ड्राइवर का लाइसेंस रद करने की अपील की। हालांकि, रईसजादा होने के कारण पुलिस ने वेदांश के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया।

क्या बिलों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए तय होगी टाइमलाइन? सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए रेफरेंस मामले पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है।

यह रेफरेंस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से भेजे गए एक पत्र के संदर्भ में जवाब मांगा है जिसमें पूछा गया है कि कानूनी वैधता को लेकर है कि क्या राज्य विधेयकों (स्टेट बिल्स) पर फैसला लेने के लिए गवर्नरों और राष्ट्रपति पर कोई टाइमलाइन तय की जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों (संवैधानिक) पीठ ने मामले की सुनवाई अगले मंगलवार के लिए लिस्ट की है।

राष्ट्रपति ने रेफरेंस में क्या-क्या पूछा है- नियम के अनुसार, राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए रेफरेंस पर सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ही सुनवाई करती है और अपनी राय राष्ट्रपति को देती है। जो पीठ मामले पर मंगलवार को सुनवाई करेगी, उसमें प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा तथा जस्टिस एएस चंदुरकर शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आठ अप्रैल को तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखने के मामले में दिए फैसले में राज्य के विधेयकों पर मंजूरी के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समय सीमा तय कर दी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस संबंध में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत प्राप्त शक्तियों में सुप्रीम कोर्ट को रिफरेंस (राष्ट्रपति प्रपत्र) भेज कर राय मांगी है। राष्ट्रपति ने भेजे गए रेफरेंस में कुल 14 सवालों पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी है। रेफरेंस में पूछा है कि जब संविधान में विधेयकों पर मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं है तो क्या न्यायिक आदेश के जरिये समय सीमा लगाई जा सकती है।

एक या दो नहीं... एअर इंडिया को जारी हुए 6 महीने में 9 कारण बताओ नोटिस; सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन एक लिखित जवाब में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि पिछले छह महीनों में पांच चिन्हित सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एअर इंडिया को कुल नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और एक उल्लंघन के संबंध में प्रवर्तन कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

दरअसल, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने एक सदन में एक लिखित उत्तर में बताया कि एअर इंडिया के कुल 33 विमानों में से 31 परिचालन विमानों का निरीक्षण किया गया है, जिनमें से 8 विमानों में मामूली खामियां पाई गईं। इन विमानों को सुधार के बाद परिचालन के लिए जारी कर दिया गया है। शेष 2 विमान निर्धारित रखरखाव के अधीन हैं।

छह महीने में 9 नोटिस जारी किए गए- जानकारी दें कि सदन में वह भाजपा सदस्य अशोकराव शंकरराव चव्हाण के एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक अलग लिखित उत्तर में कहा कि गत छह महीने में दुर्घटनाग्रस्त विमानों के संबंध में एअर इंडिया की विश्वसनीयता रिपोर्टों में कोई प्रतिकूल प्रवृत्ति सामने नहीं आई है।

वहीं, उन्होंने बताया कि पिछले छह महीनों के दौरान, पांच चिन्हित सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एअर इंडिया को कुल नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। डीएमके नेता कनिमोझी एनवीएन सोमू के सवालों के जवाब में उन्होंने संसद में ये जानकारी दी।

पिछले महीने हुआ था विमान हादसा- गौरतलब है कि 12 जून को हमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन के बोइंग 787-8/9 विमान की अतिरिक्त जांच के आदेश दिए। इस विमान हादसे में 81 लोग घायल हुए थे।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

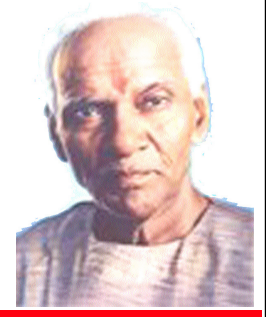

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

संपादकीय

भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग दसवां है....

भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग दसवां है। यहां भगवान शंकर नागेश्वर स्वरूप में अपने परम भक्त सुप्रिय की रक्षा करने के लिए प्रकट हुए थे और भक्तों के अनुरोध पर ज्योतिर्लिंग स्वरुप में यहीं प्रतिष्ठित हो गए।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का वर्णन श्रीशिवमहापुराण एवं स्कंद पुराण के अलावा वामन पुराण सहित अन्य अनेक ग्रंथों में भी मिलता है। श्रीशिवमहापुराण के अनुसार प्राचीन समय में दारूक नामक एक भयानक राक्षस हुआ करता था। उसकी पत्नी दारुका माता पार्वती की कृपापात्र थी। जिससे वह अहंकार में चूर रहती थी। उसका पति दारुक बलशाली राक्षस था। वह दूसरे अन्य राक्षसों के साथ मिलकर यज्ञ आदि शुभ कर्मों को नष्ट करता हुआ सन्त-महात्माओं का संहार करता था। वे पश्चिमी समुद्र के किनारे सभी प्रकार की सम्पदाओं से भरपूर सोलह योजन विस्तार वाले दारुक वन में निवास करते थे। माता पार्वती के वरदान से दारूका जहाँ भी जाती थी, वृक्षों तथा विविध उपकरणों से सुसज्जित वह वनभूमि अपने साथ ले जाती थी। महादेवी पार्वती ने उस वन की देखभाल का दायित्व दारूका को ही सौंपा था इस कारण यह वन सदैव उसके पास रहता था। दारुक,दारुका एवं उनके सहायक राक्षस वहां के निवासियों को तरह तरह से प्रताड़ित करते थे। उनके अत्याचारों से पीड़ित रहवासियों ने महर्षि और्व को अपना कष्ट सुनाया।

शरणागतों की रक्षा के धर्म पालन करते हुए महर्षि और्व ने राक्षसों को शाप दे दिया। उन्होंने कहा कि जो राक्षस इस पृथ्वी पर प्राणियों की हिंसा और यज्ञों का विनाश करेगा, उसी समय वह अपने प्राणों से हाथ धो बैठेगा। महर्षि और्व द्वारा दिये गये शाप की सूचना जब देवताओं को मालूम हुई, तब उन्होंने दुराचारी राक्षसों पर चढ़ाई कर दी। राक्षसों पर भारी संकट आ पड़ा। यदि वे युद्ध में देवताओं को मारते हैं, तो शाप के कारण स्वयं मर जाएँगे और यदि उन्हें नहीं मारते हैं, तो पराजित होकर स्वयं मर जाएँगे। उस समय दारूका ने माता पार्वती के वरदान का प्रयोग किया और वह सम्पूर्ण वन को लेकर समुद्र में जा बसी। अब ये राक्षस समुद्र में निवास करते हुए वहाँ भी प्राणियों को सताने लगे। एक बार धर्मात्मा और सदाचारी सुप्रिय नामक शिव भक्त वैश्य नौका पर सवार होकर समुद्र में जलमार्ग से कहीं जा रहा था, उस समय दारूक राक्षस ने नौका पर आक्रमण कर दिया। उसने सुप्रिय सहित सभी लोगों का अपहरण कर उन्हें बन्दी बना लिया। सुप्रिय शिव जी के अनन्य भक्त थे, इसलिए वह हमेशा शिवजी की आराधना में लगे रहते थे। कारागार में भी उनकी आराधना बन्द नहीं हुई और उन्होंने अपने अन्य साथियों को भी शिवजी की आराधना के प्रति जागरूक कर दिया। कारागार में सभी बंदी शिवभक्ति में लीन हो गए। जब इसकी सूचना राक्षस दारूक को मिली, तो वह क्रोध में उबल उठा। उसने देखा कि कारागार में सुप्रिय ध्यान लगाए बैठा है, तो उसे डाँटते हुए बोला- वैश्य! तू आँखें बन्द करके मेरे विरुद्ध कौनसा षड्यन्त्र रच रहा है? राक्षस दारूक ने अपने अनुचरों को आदेश दिया कि इस शिवभक्त को मार डालो। अपनी हत्या के भय से भी सुप्रिय डरे नहीं और संकटमोचक भगवान शिव को पुकारने में ही लगे रहे। सुप्रिय की प्रार्थना को सुनकर भगवान शिव एक बिल से प्रकट हो गये। उनके साथ ही चार दरवाजों का एक सुन्दर मन्दिर प्रकट हुआ। उस मन्दिर के मध्यभाग में (गर्भगृह) में एक दिव्य ज्योतिर्लिंग प्रकाशित हो रहा था तथा शिव परिवार के सभी सदस्य भी उसके साथ विद्यमान थे। वैश्य सुप्रिय ने शिव परिवार सहित उस ज्योतिर्लिंग का दर्शन और पूजन किया।

चंद्रशेखर आज़ाद

पंडित चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। 17 वर्ष के चंद्रशेखर आज़ाद क्रांतिकारी दल 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' में सम्मिलित हो गए। दल में उनका नाम 'क्विक सिल्वर' (पारा) तय पाया गया। पार्टी की ओर से धन एकत्र करने के लिए जितने भी कार्य हुए, चंद्रशेखर उन सबमें आगे रहे। सांडर्स वध, सेण्ट्रल असेम्बली में भगत सिंह द्वारा बम फेंकना, वाइसराय को ट्रेन बम से उड़ाने की चेष्टा, सबके नेता वही थे। इससे पूर्व उन्होंने प्रसिद्ध 'काकोरी कांड' में सक्रिय भाग लिया और पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गए। एक बार दल के लिये धन प्राप्त करने के उद्देश्य से वे गाजीपुर के एक महंत के शिष्य भी बने। इरादा था कि महंत के मरने के बाद मरु की सारी संपत्ति दल को दे देंगे।

जीवन परिचय- पंडित चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म एक आदिवासी ग्राम भावरा में 23 जुलाई, 1906 को हुआ था। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी उत्तर प्रदेश के उन्नाव ज़िले के बदर गाँव के रहने वाले थे। भीषण अकाल पड़ने के कारण वे अपने एक रिश्तेदार का सहारा लेकर अलीराजपुर रियासत के ग्राम भावरा में जा बसे थे। इस समय भावरा मध्य प्रदेश के झाबुआ ज़िले का एक गाँव है। चन्द्रशेखर जब बड़े हुए तो वह अपने माताङ्कपिता को छोड़कर भाग गये और बनारस जा पहुँचे। उनके फूफा जी पंडित शिवविनायक मिश्र बनारस में ही रहते थे। कुछ उनका सहारा लिया और कुछ खुद भी जुगाड़ बिठाया तथा संस्कृत विद्यापीठ में भर्ती होकर संस्कृत का अध्ययन करने लगे। उन दिनों बनारस में असहयोग आंदोलन की लहर चल रही थी। विदेशी माल न बेचा जाए, इसके लिए लोग दुकानों के सामने लेटकर धरना देते थे। 1919 में हुए जलियाँवाला बाग़ नरसंहार ने उन्हें काफ़ी व्यथित किया।

बचपन का दृढ़निश्चय- एक आदिवासी ग्राम भावरा के अधनंगे आदिवासी बालक मिलकर दीपावली की खुशियाँ मना रहे थे। किसी बालक के पास फुलझड़ियाँ थीं, किसी के पास पटाखे थे और किसी के पास मेहताब की माचिस। बालक चन्द्रशेखर के पास इनमें से कुछ भी नहीं था। वह खड़ाङ्कखड़ा अपने साथियों को खुशियाँ मनाते हुए देख रहा था। जिस बालक के पास मेहताब की माचिस थी, वह उसमें से एक तीली निकालता और उसके छोर को पकड़कर डरते-डरते उसे माचिस से रगड़ता और जब रंगीन रौशनी निकलती तो डरकर उस तीली को ज़मीन पर फेंक देता था।

बालक चन्द्रशेखर से यह देखा नहीं गया, वह बोले- तुम डर के मारे एक तीली जलाकर भी अपने हाथ में पकड़े नहीं रह सकते। मैं सारी तीलियाँ एक साथ जलाकर उन्हें हाथ में पकड़े रह सकता हूँ।

जिस बालक के पास मेहताब की माचिस थी, उसने वह चन्द्रशेखर के हाथ में दे दी और कहा-

जो कुछ भी कहा है, वह करके दिखाओ तब जानूँ।

बालक चन्द्रशेखर ने माचिस की सारी तीलियाँ निकालकर अपने हाथ में ले लीं। वे तीलियाँ उल्टीङ्कसीधी रखी हुई थीं, अर्थात् कुछ तीलियों का रोगन चन्द्रशेखर की हथेली की तरफ़ भी था। उसने तीलियों की गड्डी माचिस से रगड़ दी। भक्क करके सारी तीलियाँ जल उठीं। जिन तीलियों का रोगन चन्द्रशेखर की हथेली की ओर था, वे भी जलकर चन्द्रशेखर की हथेली को जलाने लगीं। असह्य जलन होने पर भी चन्द्रशेखर ने तीलियों को उस समय तक नहीं छोड़ा, जब तक की उनकी रंगीन रौशनी समाप्त नहीं हो गई। जब उन्होंने तीलियाँ फेंक दीं तो साथियों से बोले-देखो हथेली जल जाने पर भी मैंने तीलियाँ नहीं छोड़ीं।

उनके साथियों ने देखा कि चन्द्रशेखर की हथेली काफ़ी जल गई थी और बड़ेङ्कबड़े फफोले उठ आए थे। कुछ लड़के दौड़ते हुए उनकी माँ के पास घटना की ख़बर देने के लिए जा पहुँचे। उनकी माँ घर के अन्दर कुछ काम कर रही थीं। चन्द्रशेखर के पिता पंडित सीताराम तिवारी बाहर के कमरे में थे। उन्होंने बालकों से घटना का ब्योरा सुना और वे घटनास्थल की ओर लपके। बालक चन्द्रशेखर ने अपने पिताजी को आते हुए देखा तो वह जंगल की तरफ़ भाग गये। सोचा कि पिताजी अब उनकी पिटाई करेंगे। तीन दिन तक वह जंगल में ही रहे। एक दिन खोजती हुई उनकी माँ उन्हें घर ले आई। उन्होंने यह आश्वासन दिया था कि तेरे पिताजी तेरे से कुछ भी नहीं कहेंगे।

आज़ाद- 1921 में जब महात्मा गाँधी के असहयोग आन्दोलन प्रारंभ किया तो उन्होंने उसमे सक्रिय योगदान किया। चन्द्रशेखर भी एक दिन धरना देते हुए पकड़े गये। उन्हें पारसी मजिस्ट्रेट मि. खरेघाट के अदालत में पेश किया गया। मि. खरेघाट बहुत कड़ी सजाएँ देते थे। उन्होंने बालक चन्द्रशेखर से उसकी व्यक्तिगत जानकारियों के बारे में पूछना शुरू किया -

तुम्हारा नाम क्या है?
मेरा नाम आज़ाद है।
तुम्हारे पिता का क्या नाम है?
मेरे पिता का नाम स्वाधीन है।
तुम्हारा घर कहाँ पर है?
मेरा घर जेलखाना है।

मजिस्ट्रेट मि. खरेघाट इन उत्तरों से चिढ़ गए। उन्होंने चन्द्रशेखर को पन्द्रह बेंतों की सज़ा सुना दी। उस समय चन्द्रशेखर की उम्र केवल चौदह वर्ष की थी। जल्लाद ने अपनी पूरी शक्ति के साथ बालक चन्द्रशेखर की निर्वसन देह पर बेंतों के प्रहार किए। प्रत्येक बेंत के साथ कुछ खाल उधड़कर बाहर आ जाती थी। पीड़ा सहन कर लेने का अभ्यास चन्द्रशेखर को बचपन से ही था। वह हर बेंत के साथ महात्मा गांधी की जय या भारत माता की जय बोलते जाते था। जब पूरे बेंत लगाए जा चुके तो जेल के नियमानुसार जेलर ने उसकी हथेली पर तीन आने पैसे रख दिए। बालक चन्द्रशेखर ने वे पैसे जेलर के मुँह पर दे मारे और भागकर जेल के बाहर हो गया। इस पहली अग्नि परीक्षा में सम्मानरहित उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप बालक चन्द्रशेखर का बनारस के ज्ञानवापी मोहल्ले में नागरिक अभिनन्दन किया गया। अब वह चन्द्रशेखर आज़ाद कहलाने लगा। बालक चन्द्रशेखर आज़ाद का मन अब देश को आज़ाद कराने के अहिंसात्मक उपायों से हटकर सशस्त्र क्रान्ति की ओर मुड़ गया। उस समय बनारस क्रान्तिकारियों का गढ़ था। वह मन्मथनाथ गुप्त और प्रणवेश चटर्जी के सम्पर्क में आये और क्रान्तिकारी दल के सदस्य बन गये। क्रान्तिकारियों का वह दल हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के नाम से जाना जाता था।

काकोरी काण्ड- किसी बड़े अभियान में चन्द्रशेखर आज़ाद सबसे पहले काकोरी डकैती में सम्मिलित हुए। इस अभियान के नेता रामप्रसाद बिस्मिल थे। उस समय चन्द्रशेखर आज़ाद की आयु कम थी और उनका स्वभाव भी बहुत चंचल था। इसलिए रामप्रसाद बिस्मिल उसे क्विक सिल्वर (पारा) कहकर पुकारते थे। 9 अगस्त, 1925 को क्रान्तिकारियों ने लखनऊ के निकट काकोरी नामक स्थान पर सहारनपुर - लखनऊ सवारी गाड़ी को रोककर उसमें रखा अंगेज़ी ख़ज़ाना लूट लिया। बाद में एकङ्कएक करके सभी क्रान्तिकारी पकड़े गए; पर चन्द्रशेखर आज़ाद कभी भी पुलिस के हाथ में नहीं आए।

यद्यपि वे झाँसी में पुलिस थाने पर जाकर पुलिस वालों से गपशप लड़ाते थे, पर पुलिस वालों को कभी भी उन पर संदेह नहीं हुआ कि वह व्यक्ति महान् क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद हो सकता है। काकोरी कांड के बाद उन्होंने दल का नये सिरे से संगठन किया।

अब उसका नाम 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन एण्ड आर्मी' रखा गया। चंद्रशेखर इस नये दल के कमांडर थे। वे घूम-घूम कर गुप्त रूप से दल का कार्य बढ़ाते रहे। फरारी के दिनों में झाँसी के पास एक नदी के किनारे साधु के रूप में भी उन्होंने कुछ समय बिताया।

झांसी प्रवास- काकोरी काण्ड के कई क्रान्तिकारियों को फाँसी के दंड और कई को लम्बेङ्कलम्बे कारावास की सज़ाएँ मिलीं। चन्द्रशेखर आज़ाद ने खिसककर झाँसी में अपना अड्डा जमा लिया। झाँसी में चन्द्रशेखर आज़ाद को एक क्रान्तिकारी साथी मास्टर रुद्रनारायण सिंह का अच्छा संरक्षण मिला।

सरकार या कंपनी कौन काटता है आपकी सैलरी से पीएफ, इससे आपको फायदा या नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप प्राइवेट नौकरी करते हैं तो यह खबर आपके लिए है। क्योंकि यह खबर आपकी सैलरी से कटने वाले पीएफ से जुड़ी है। आपकी सैलरी का कुछ हिस्सा पीएफ के रूप में कटता है। ऐसे में एक सवाल यह उठता है कि आखिर ये पैसा सरकार काटती है या फिर कंपनी? दूसरा सवाल यह है कि आखिर इससे आपको फायदा या नुकसान?

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों के भविष्य का ध्यान में रखते हुए भारत सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अधिनियम के साथ अस्तित्व में लाई थी। इस अधिनियम से पहले 1951 में कर्मचारी भविष्य निधि अध्यादेश पारित किया गया था। यही सरकारी संस्था प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के पीएफ और पेंशन से जुड़ी चीजों का ध्यान रखती है।

नियमों के अनुसार अगर जहां कर्मचारियों की संख्या 20 या अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ रजिस्ट्रेशन कराना होगा और अपने कर्मचारियों के वेतन से क्क्न अंशदान काटना होगा। यानी अगर आप किसी प्राइवेट कंपनी में काम कर रहे हैं तो आपका पीएफ कटेगा और यह पीएफ कंपनी काटती है। कंपनी आपका पीएफ काटकर आपके पीएफ अकाउंट में जमा करती है।

कंपनी की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने कर्मचारी का पीएफ काटकर समय पर उसे पीएफ अकाउंट में जमा करे। इसमें कंपनी का भी कुछ हिस्सा शामिल होता है।

PF कटने पर आपका फायदा या नुकसान- बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर पीएफ कटने से फायदा है या नुकसान? तो इसका जवाब है कि फायदा। क्योंकि पीएफ का जो पैसा कटता है एक तरह से वह पैसा आपका सेव हो रहा है। उस पर सरकार ब्याज भी देती है। और इमरजेंसी में आप पैसा निकाल भी सकते हैं। इसके साथ अगर 10 साल लगातार पीएफ कट गया तो आप पेंशन पाने की भी हकदार हो जाते हैं।

कौन हैं भारत के सबसे युवा अरबपति, दौलत जानकर नहीं होगा यकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक से एक बड़े-बड़े अरबपति हैं। पर क्या आप भारत के सबसे कम उम्र ये अरबपतियों के बारे में जानते हैं? साल 2025 में भारत के सबसे युवा अरबपति कोई और नहीं, बल्कि रेज़रपे के को-फाउंडर्स शशांक कुमार और हर्षिल माथुर हैं।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 के अनुसार, दोनों की उम्र सिर्फ 34 वर्ष है और दोनों की ही कुल संपत्ति एक बराबर है। दोनों की नेटवर्थ 8,638 करोड़ है। बता दें कि रेजरपे भी एक ऑनलाइन पेमेंट्स प्लेटफॉर्म और फिनटेक कंपनी है।

शशांक और हर्षिल का सफर आईआईटी रुड़की से शुरू हुआ, जहाँ वे पहली बार बतौर स्टूडेंट्स मिले। टेक्नोलॉजी और प्रॉब्लम सॉल्विंग के प्रति जुनून के साथ उन्होंने 2014 में रेजरपे की शुरुआत की, जिसका मकसद भारत में डिजिटल पेमेंट को आसान बनाना है।

रेजरपे से पहले करते थे नौकरी- उद्यमी बनने से पहले शशांक और हर्षिल जॉब करते थे और उनका कॉर्पोरेट करियर सफल रहा था। इनमें शशांक माइक्रोसॉफ्ट में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर थे, जबकि हर्षिल श्लम्बर्गर में वायरलाइन फील्ड इंजीनियर थे। हालांकि, भारत में ऑनलाइन पेमेंट की स्थिति ने उन्हें निराश कर दिया था। हर्षिल ने एक बार अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर लिखा था कि भारत में ऑनलाइन पेमेंट की निराशाजनक हालत का पता चलने के बाद हमने रेजरपे की शुरुआत की।

इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति को कितनी मिलेगी पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 21 जुलाई के दिन देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे का कारण खराब स्वास्थ्य बताया है। आइए जानते हैं कि उन्हें उप-राष्ट्रपति के पद पर कितनी सैलरी मिलती थी और इसके साथ ही उन्हें कितनी पेंशन मिलेगी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत के उप-राष्ट्रपति को प्रतिमाह 4 लाख रुपये सैलरी के रूप में दिए जाते हैं। उन्हें इसके अलावा भी कई तरह के भत्ते दिए जाते हैं, ये वेतन में शामिल नहीं हैं। देखा जाए तो उप राष्ट्पति की कोई सैलरी नहीं होती। उन्हें उच्च सदन राज्यसभा के सभापति के रूप में सैलरी दी जाती है।

नियम के अनुसार जगदीप धनखड़ को इस्तीफा के बाद भी सरकार की ओर से पेंशन मिलती रहेगी। उन्हें अपनी सैलरी का आधा पैसा पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इस हिसाब से उन्हें 1,50,000 रुपये से 2,00,000 रुपये तक पेंशन के रूप में दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री से कितनी ज्यादा है सैलरी- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रतिमाह 1.66 रुपये वेतन के रूप में दिए जाते हैं। इसके अलावा भी उन्हें कई तरह का भत्ता दिया जाता है। वहीं उप-राष्ट्पति को 4 लाख रुपये सिर्फ वेतन के रूप में ही दिए जाते हैं।

क्या-क्या मिलती है सेवाएं- सिर्फ अच्छी सैलरी और पेंशन ही नहीं, सरकार की तरफ से उन्हें कई तरह की सुविधाएं भी दी जाती है। जैसे- उन्हें लुटियंस जोन में आलीशान घर मिलता है।

उन्हें एक सरकारी गाड़ी और सुरक्षा का पूरा प्रबंध करके दिया जाता है।

वहीं कामकाज के लिए कई तरह स्टाफ दिए जाते हैं।

इसके साथ ही मेडिकल खर्च और यात्रा का खर्चा भी दिया जाता है।

किसने बनाया भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल? तैयार होने में खर्च हुए 17840 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। अटल सेतु, जिसे मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक या एमटीएचएल भी जाना जाता है, भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल है। इसकी लंबाई 21.8 किलोमीटर है, जिसमें से 16.5 किलोमीटर समुद्र पर और बाकी 5.5 किलोमीटर ज़मीन पर है। पिछले साल जनवरी में पीएम मोदी ने इस पुल का उद्घाटन किया था। अटल सेतु को बनाने में 17,840 करोड़ रु से अधिक की लागत आई थी। आइए जानते हैं कि इसे किसने बनाया था।

किसने बनाया था अटल सेतु- पुल के सेवरी (मुंबई) की तरफ वाले हिस्सा के निर्माण के अलावा जमीन से जुड़ा काम भारत की लार्सन एंड टर्बो और जापान की कंपनी आईएचआई इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स को सौंपा गया था।

अटल सेतु के नवी मुंबई की तरफ वाले हिस्से का निर्माण देवू इंजीनियरिंग और टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने किया।

क्यों अहम है अटल सेतु- अटल सेतु ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी को फास्ट किया है। इसने मुंबई से दक्षिण भारत, पुणे और गोवा तक पहुँचने में लगने वाले समय को भी कम किया है।

वहीं इसने जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह और मुंबई बंदरगाह के बीच संपर्क को और भी बेहतर बनाया है। दूसरी सबसे अहम बात कि अटल सेतु मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण इकोनॉमिक ड्राइवर है।

भारत में Apple के AirPods के उत्पादन में बाधा, चीन की चाल से हो रहा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एप्पल के आईफोन और उससे जुड़े अन्य प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों ने जानकारी दी कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी के चलते फॉक्सकॉन के तेलंगाना यूनिट में एप्पल एयरपॉड्स का उत्पादन बाधित हुआ है। पूरी कहानी चीन से जुड़ी है। क्योंकि चीन ने अप्रैल में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

इस मामले को लेकर एप्पल के वेंडर फॉक्सकॉन का कहना है कि उत्पादन बाधित नहीं हुआ है। इसमें थोड़ी कमी आई थी लेकिन अब यह सुचारू रूप से चालू है। फॉक्सकॉन इंटरकनेक्ट टेक्नोलॉजी का कारखाना हैदराबाद से लगभग 45 किलोमीटर दूर कोंगरा कलां में स्थित है। यहां पर एयरपॉड्स बनाए जाते हैं।

चीन के बाहर AirPods का उत्पादन फैलाने के लिए अप्रैल 2023 में इसका हैदराबाद की यूनिट में शुरू किया गया था।

ईयरबड्स में इन रेयर अर्थ एलिमेंट्स का होता है इस्तेमाल- ईयरबड्स में नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम सहित अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। चुंबक के रूप में इस्तेमाल होने वाला नियोडिमियम चीन और अन्य जगहों पर खनन किया जाता है। यहीं से इसका निर्यात भारत में किया जाता है। हालांकि, निर्यात पर प्रतिबंध लगने के बाद कहानी बदल गई है।

सूत्रों ने बताया कि फॉक्सकॉन ने आपूर्ति में आई समस्या का मामला तेलंगाना सरकार के सामने उठाया है। इसे लेकर तेलंगाना सरकार ने उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के समक्ष यह मामला उठाया।

फॉक्सकॉन और टाटा फॉक्सकॉन॰ श्चश्चद्यद्ग के प्रमुख आपूर्तिकर्ता- भारत में, एप्पल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता में फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स हैं। फॉक्सकॉन दुनिया भर में एप्पल की सबसे बड़ी अनुबंध निर्माता कंपनी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अगर कोई समस्या न आई तो 45 से 50 दिनों में डिस्प्रोसियम की आपूर्ती कराई जाएगी।

एक अन्य उद्योग अधिकारी ने कहा, फॉक्सकॉन एयरपॉड्स प्लांट में उत्पादन में कुछ मंदी जरूर आई थी, लेकिन अब इसमें सुधार दिख रहा है। एलिमेंट्स की आपूर्ति श्रृंखला थोड़ी लंबी है, लेकिन कंपनी अब स्थिति को संभाल रही है।

पोस्ट ऑफिस की 5 साल वाली धांसू स्कीम, खाता खुलने के बाद से मिलना लगता ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं काफी लोकप्रिय हैं, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग परिवार पोस्ट ऑफस की सेविंग स्कीम में ज्यादा निवेश करते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है स्थिर रिटर्न के साथ पैसों की सुरक्षा। क्या आप पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम के बारे में जानते हैं, जिसमें निवेश करने के बाद ही ब्याज का पैसा मिलने लगता है, और यह रकम सिंगल खाते पर अधिकतम 5500 रुपये होती है।

POMIS एक स्पेशल मंथली इनकम स्कीम है जो सिर्फ डाकघर द्वारा ऑफर की जाती है। खास बात है कि इस योजना में खाताधारकों को 7.4% की दर से मासिक ब्याज मिलता है।

POMIS योजना की विशेषताएं -POMIS योजना में न्यूनतम 1000 का निवेश किया जा सकता है, लेकिन इन्वेस्टमेंट की अधिकतम सीमा ?9 लाख तक सीमित है। हालांकि, ज्वाइंट अकाउंट में मैक्सिमम 15 लाख रुपये जमा कराए जा सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

साध्वी रीना रघुवंशी गिरफ्तार, राम मंदिर के नाम पर जमा 90 लाख रुपए हड़पने का है आरोप

छिंदवाड़ा। 90 लाख की ठगी की आरोपी साध्वी रीना रघुवंशी को चौरई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रीना पर कनकबिहारी बाबा के खाते से फर्जी तरीके से रकम उड़ाने का केस दर्ज हुआ था। उसे नर्मदापुरम से सोमवार रात गिरफ्तार किया गया है।

सूचना मिलने पर मंगलवार दोपहर को रघुवंशी समाज के लोग थाने में पहुंचे। मामला चौरई के कनकधाम नोनी बर्रा का है। साध्वी ने फर्जीवाड़ा कर बिना सूचना के पैसे निकले थे। यह राशि राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाई गई थी।पुलिस को लगातार चमका दिया, कानून का सहारा भी लिया

रीना रघुवंशी ने चालाकी से गुरु महंत कनक बिहारी दास के बैंक

अकाउंट से अपना मोबाइल नंबर जुड़वा लिया था। इसी खाते में राम मंदिर के लिए आया चंदा जमा था। रीना ने अपने भाई हर्ष के साथ मिलकर पैसे हड़प लिए।

जब पोल और खुली और मामला पुलिस में गया तो अग्रिम जमानत याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि वह 90 लाख रुपए लौटा देगी। इस पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने जमानत दे दी।

बाद में राशि नहीं लौटाई और फरार हो गई। पुलिस ने फिर शिकंजा कसने की कोशिश की, तो फिर अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगाई। इस बार हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत से इनकार कर दिया।

इसके बाद से पुलिस को तलाश थी। अभी रीना रघुवंशी नर्मदापुरम जिले के चांदपुर गांव के भैरवनाथ मंदिर से छिपी हुई थी। पुलिस ने वहीं से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर रघुवंशी समाज के लोग जमा हो गए।

गिरफ्तारी में समाज ने निभाई अहम भूमिका

रीना रघुवंशी और उनके भाई की गिरफ्तारी में रघुवंशी समाज ने अहम भूमिका निभाई। समाज के लोगों ने न केवल दोनों की लोकेशन की जानकारी पुलिस को दी, बल्कि एक लाख रुपए का इनाम भी रखा।

मारपीट के केस में सालों पहले मर चुके लोगों पर ही कर दी FIR

विदिशा। जिले के गंजबासौदा शहर पुलिस थाने में दो मृत लोगों के नाम मारपीट के प्रकरण में लिखी गई एफआईआर में शामिल करने का मामला सामने आया है। सोमवार को फरियादी पक्ष ने एडिशनल एसपी डा.प्रशांत चौबे को ज्ञापन सौंपकर इस गड़बड़ी की शिकायत की है। दरअसल, चार दिन पहले 17 जुलाई को ग्राम बरेठ में प्रजापति और गुर्जर समाज के बीच हाल ही में गांव में विवाद हुआ था।

पुलिस की गंभीर चूक आई सामने-पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों पर त्वरित एफआईआर दर्ज की, लेकिन जांच में गंभीर चूक सामने आई। गुर्जर पक्ष के खिलाफ लिखी गई एफआईआर में जिन नामों को शामिल किया गया, उनमें दो व्यक्ति सालों पहले दुनिया छोड़ चुके हैं। जब फरियादी ने थाने में यह बात बताई, तो कोई सुनवाई नहीं हुई।ग्रामीणों ने एएसपी से की शिकायत

एएसपी से शिकायत करने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि इस विवाद में एक आरोपित करण सिंह गुर्जर मौजूद ही नहीं थे, इसके बावजूद उन्हें आरोपित बना दिया, वहीं दयाराम गुर्जर और रघुवीर सिंह गुर्जर की मौत आठ साल पहले हो चुकी है। पुलिस ने उन्हें भी आरोपित बना दिया।

मामले की जांच जारी-इस संबंध में एडिशनल एसपी डा.प्रशांत चौबे ने कहा कि ग्रामीणों ने एक व्यक्ति के घटना स्थल पर मौजूद नहीं होने की बात कही है। वहीं दो मृत लोगों के नाम एफआईआर में दर्ज होने की शिकायत की है। उन्होंने इस मामले की जांच गंजबासौदा एसडीओपी को सौंपी है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बूढ़े माता-पिता को खाट पर बैठाकर 20 किमी पैदल चले बेटे, भगवान कोटेश्वर का कराया जलाभिषेक

बालाघाट/लांजी। कहते हैं भक्ति और सेवा जब साथ चलें, तो वह दृश्य अद्वितीय बन जाता है। सावन माह में भगवान शिव की भक्ति के ऐसे ही एक अलौकिक दृश्य ने हर किसी को भावुक कर दिया। लांजी के प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में जब तीन बेटों ने अपने वृद्ध माता-पिता को खाट पर बैठाकर 20 किलोमीटर पैदल यात्रा पूरी की, तो हर किसी को श्रवण कुमार की याद आ गई।

यह दृश्य सोमवार शाम को कोसमारा से लांजी के बीच दिखा। भीमराज नेताम, अनोत नेताम और दुर्गेश नेताम नामक 3 भाई अपने माता-पिता जयलाल नेताम और सुगन बाई नेताम को खाट पर बिठाकर कांवड़ यात्रा के रूप में कोटेश्वर धाम ले जा रहे थे। उनके साथ चाचा जलम नेताम और अन्य स्वजन भी थे। वर्षों पुरानी मनोकामना हुई पूरी

भीमराज नेताम ने बताया कि दो वर्ष पहले उनके मन में यह संकल्प आया था कि वे अपने माता-पिता को कांवड़ में लेकर भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक करवाएंगे। गांव में शिव मंदिर का निर्माण हो चुका था, लेकिन कोटेश्वर धाम ले जाने की मनोकामना अधूरी रह गई थी। इस बार सावन में सभी भाइयों ने मिलकर प्रण किया कि इस बार वह यह सेवा पूर्ण करेंगे और अंततः सोमवार को उन्होंने अपने संकल्प को पूरा कर दिखाया।

महिला और 3 साल की मासूम का गला घोंटकर की हत्या

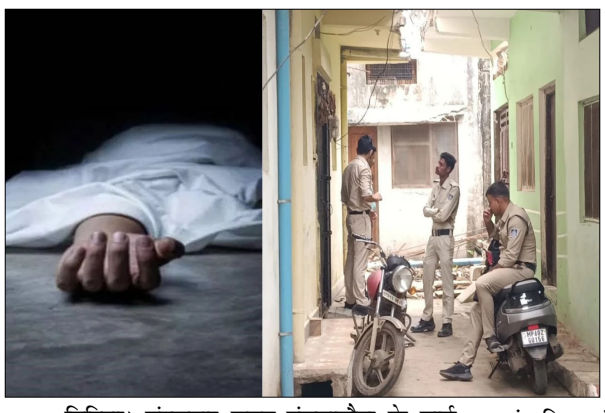

विदिशा। मंगलवार सुबह गंजबासौदा के वार्ड क्रमांक 8 में उस समय सनसनी फैल गई जब एक महिला और उसकी तीन वर्षीय बेटी के शव किराए के मकान में मिले। जांच में सामने आया कि लिव-इन पार्टनर ने ही दोनों की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ जारी है।

यह दिल दहला देने वाली घटना मनसापूर्ण हनुमान मंदिर के पास की है, जहां 31 वर्षीय रामसखी कुशवाहा अपने लिव-इन पार्टनर अनुज विश्वकर्मा (उम्र 40) के साथ चार वर्षों से किराए के मकान में रह रही थी।

क्यों और कैसे दिया हत्या को अंजाम?-थाना प्रभारी संजय बेदिया ने बताया कि सोमवार देर रात करीब 2:30 बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। बहस ने विकराल रूप लिया और गुस्से में आकर अनुज ने पहले रामसखी का गला घोंट दिया, फिर उसकी तीन साल की बेटी को भी नहीं छोड़ा।सुबह जब आसपास के लोगों ने किसी तरह की हलचल न देखी तो उन्होंने कमरे में जाकर देखा, जहां महिला और बच्ची मृत पड़ी थीं। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस व एफएसएल टीम ने घटनास्थल की गहन जांच की और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

आरोपी हिरासत में, पुलिस की पूछताछ जारी-पुलिस ने आरोपी अनुज विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हत्या में प्रयुक्त सामग्री और घटनाक्रम की पुष्टि के लिए फोरेंसिक टीम जांच कर रही है। शुरुआती पूछताछ में अनुज ने जुर्म कबूल कर लिया है।

जनपद एपीओ ने मांगी पांच हजार की रिश्वत, लोकायुक्त ने पकड़ा

बड़वानी। आकांशी जिले में शुमार किए गए बड़वानी में भ्रष्टाचार के मामले नहीं थम रहे हैं। शासकीय योजनाओं का लाभ दिए जाने में बिन रिश्वत काम नहीं हो रहा हैं। ऐसा ही मामला मंगलवार दोपहर को क्षेत्र के सबसे पिछड़े विकासखंड में शामिल और जिले के आदिवासी बाहुल्य पाटी जनपद पंचायत में सामने आया है। यहां जनपद पंचायत के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों धर दबोचा।

उक्त कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश पर इंदौर लोकायुक्त इकाई ने की। कार्रवाई में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत पाटी मंगल सिंह डाबर को उनके कार्यालय में पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।उल्लेखनीय है कि जिले में पंचायत, अस्पताल, परिवहन विभाग से लेकर अन्य विभागों में भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं। गत माह में जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के एजेंट व परिवहन अधिकारी के विरूद्ध लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप कार्रवाई की थी।

वहीं इसी माह 11 जुलाई को ठीकरी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर्स का वेतन निकाले जाने के मामले में ऑपरेटर 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों धराया था। आकांशी जिले में शुमार बड़वानी में गत माह पंचायतों में लाखों रुपये के भ्रष्टाचार के मामले सामने आए थे, वहीं योजनाओं का लाभ दिलाने से लेकर अन्य कार्यों के लिए रिश्वत मांगने के भी मामले बढ़ने लगे हैं।

प्रदेश में इस वर्ष स्कूल के बच्चों को 4.30 लाख साइकिल की जाएंगी वितरित

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में 4 लाख 30 हजार बच्चों को निःशुल्क साइकिल का वितरण करेगा। साइकिल वितरण की शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरू पूर्णिमा महोत्सव में भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधा युक्त भवन के लोकार्पण समारोह से की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 50 बच्चों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की। प्रदेश में अब तक एक लाख से अधिक बच्चों को उनकी पात्रतानुसार निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जा चुका है।

निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना में ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत विद्यार्थी जो कि शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 और 9 में अध्ययनरत हैं, वह जिस ग्राम का निवासी है उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक या हाई स्कूल संचालित नहीं है और उसे अपने विद्यालय तक पहुचंने के लिये 2 किलोमीटर या इससे अधिक की दूरी तय करनी पड़ती है, उन बच्चों कक्षा 6 या 9 में प्रथम प्रवेश पर एक बार निःशुल्क साइकिल दिये जाने का प्रावधान है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित कन्या छात्रावास में पढ़ने वाली छात्राएं, जिनकी शाला छात्रावास से 2 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर है।

मध्यप्रदेश नदियों का मायका है और प्रदेश के बैतूल जिले से 30 से अधिक नदियाँ निकली हैं - पटेल

नदी का उद्गम दुर्गम स्थान ही होता है लेकिन फिर भी वहां से जीवन का उद्गम होता है

इंदौर। नदियों का उद्गम स्थल दूर-सुदूर दुर्गम स्थान पर होता है, नदी अपने उद्गम से लेकर धरती को सींचने और लोगों की प्यास बुझाने के अपने प्रवाह में तमाम चुनौतियों का मुकाबला करती है। अब तो सबसे बड़ी चुनौती नदियों के उद्गम स्थल पर ही है। वीरान होते जंगल नदियों के सूखने का सबसे बड़ा कारण है। जो नदियां पहले बारह मासी होती थीं वे आज अपने उद्गम स्थल पर ही नहीं दिखती हैं इसलिए नदियों के संरक्षण के पहले जंगलों का संरक्षण आवश्यक है। जंगलों के साथ-साथ हर स्तर पर जल का संरक्षण एक सतत पर्यावरणीय विकास की नींव है। यह विचार मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के आयोजन रूबरू में मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने व्यक्त किए।

श्री पटेल ने बताया कि हमारा फोकस एरिया नदियों को कम से कम प्रदूषित करने के साथ-साथ यथा संभव सकारात्मक वृक्षारोपण करना होना चाहिए। पौधे भी वहीं लगाना चाहिये जहां पर इनकी सुरक्षा की जाए और इन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी दिया जा सके।

हमने इस दिशा में लगातार कार्य किया है। मंत्रालय में मेरा विभाग जिनके पास जमीन है उन्हें विभिन्न फल एवं छायादार वृक्षों को लगाने के लिए सहायता तथा मार्गदर्शन देता है। तीन वर्ष की आयु के लगाये हुए पौधे आगामी 3-4 वर्ष में फल देने लगते हैं। प्रशासन की योजना में विभिन्न कालखंड में सहायता दी जाती है।

मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

इंदौर। मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा।

प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रूझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हैक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हैक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है।

मध्यप्रदेश के उत्पादित फूलों की मांग देश के महानगरों के साथ विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब की महक जयपुर, दिल्ली, मुम्बई के बाद अब पेरिस और लंदन में भी पहुँच रही है। शिक्षित युवाओं के साथ गांव में रहने वाले ग्रामीण किसान भी फूलों के उत्पादन की ओर आकर्षित हुए है। राजधानी भोपाल की ग्राम पंचायत बरखेड़ा बोदर की रहने वाली श्रीमती लक्ष्मीबाई कुशवाह धान, गेहू, सोयबीन की खेती छोड़कर गुलाब, जरबेरा और गेंदा के फूल का उत्पादन कर, हर महीने तीन से चार लाख रूपये कमा रही है। ऐसे अनेक उदाहरण है, जिनसे प्रदेश में फूलों का उत्पादन बढ़ा है।

इंदौर संभाग के नेपानगर में 36 करोड़ की लागत से हर घर तक पहुँचा नल से जल

इंदौर। इंदौर संभाग के बुरहापुर जिले के नेपानगर में अब हर घर तक नल का स्वच्छ जल पहुँच रहा है। नगरीय विकास एवं आवास के उपक्रम म.प्र. अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा संचालित यह परियोजना, एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से संचालित हो रही है। परियोजना की कुल लागत लगभग 36 करोड़ रुपये है। इसमें आगामी दस वर्षों का संचालन और संधारण भी शामिल है। बुरहानपुर जिले की नेपानगर की इस परियोजना के अंतर्गत, ताप्ती नदी से जल लेकर इसे 7.7 एमएलडी क्षमता वाले जल शोधन संयंत्र के माध्यम से शोधित किया जा रहा है। शोधित जल को संग्रहित करने के लिए नगर में 150 किलोलीटर और 160 किलोलीटर की क्षमता वाले दो ओवरहेड टैंक बनाए गए हैं।

इसके साथ ही 1900 किलोलीटर क्षमता का ग्राउंड स्टोरेज रिजर्वायर भी स्थापित किया गया है। इस जल प्रदाय परियोजना से नेपानगर की 35 हजार से अधिक आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। हर घर तक पहुँचते नल कनेक्शन न केवल स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि आमजन के जीवन स्तर को भी सुदृढ़ बना रहे हैं। घर में आसानी से जल उपलब्ध होने पर क्षेत्रीय नागरिक भी खासे उत्साहित हैं। नेपानगर वार्ड क्रमांक 22 के निवासी हेमंत पाटिल का कहना है कि इस योजना के माध्यम से हमें पर्याप्त जल मिल रहा है। स्वच्छ जल मिलने से बीमारियों का खतरा कम हुआ है। वार्ड क्रमांक 23 के निवासी भास्कर पवार का कहना है कि नल के माध्यम से जल मिलने से अब समय की बचत हो रही है। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा संचालित यह प्रयास न केवल शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर भी अग्रसर है।

तुलसी नगर में भव्य कांवर यात्रा, दो साल की प्रव्या बनी आकर्षण का केंद्र

इंदौर। पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को कामिका एकादशी के शुभ अवसर पर तुलसी नगर महिला मंडल ने एक भव्य कांवर यात्रा का आयोजन किया, जो आध्यात्मिक उत्साह और भक्ति का अनुपम संगम बन गया। इस यात्रा की विशेष शोभा दो साल की नन्हीं प्रव्या यादव रही, जिसने अपनी मासूमियत से सभी का मन मोह लिया। कांवर यात्रा तुलसी नगर के सरस्वती धाम स्थित चन्द्रमोलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई और कॉलोनी के विभिन्न सेक्टर्स से होते हुए अनंतेश्वर धाम के अनंतेश्वर महादेव मंदिर पर समाप्त हुई, जहां कांवर यात्रियों ने भगवान महादेव को गंगाजल अर्पित किया।

भक्ति और उत्साह से सराबोर कांवर यात्रा मार्ग पर जगह-जगह कॉलोनी के रहवासियों ने कांवर यात्रियों का पुष्प वर्षा के साथ उत्साहपूर्ण स्वागत किया। भगवान शिव के भजनों और भक्ति गीतों की मधुर धुनों से समूचा मार्ग गुंजायमान रहा, जिसने श्रावण की पवित्रता को और भी गहरा कर दिया। यात्रा में शामिल भक्तों का जोश और भक्ति देखते ही बनता था, जो इंदौर की आध्यात्मिक और सामुदायिक एकता का प्रतीक बन गया।

अनंतेश्वर महादेव को चांदी का छत्र अर्पित- इस अवसर पर अनंतेश्वर महादेव मंदिर में कॉलोनी के रहवासी सीताराम पाटिल और उनके परिवार ने मंत्रोच्चार के बीच भगवान महादेव को चांदी का छत्र अर्पित किया, जो इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण रहा। इस पवित्र अनुष्ठान ने सभी श्रद्धालुओं के मन में भक्ति और श्रद्धा का संचार किया। तत्पश्चात, उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिसने इस धार्मिक समारोह को और भी स्मरणीय बना दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व विधायक श्री खेमराज पाटीदार के निधन पर दुःख जताया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व विधायक श्री खेमराज पाटीदार के निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री पाटीदार का देवलोकगमन पार्टी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति एवं स्व. पाटीदार के शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की है।

शासकीय सेवकों के पेंशन सहित अन्य वित्तीय भुगतानों के प्रकरण त्वरित किये जाये निराकृत

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि जिले में सभी शासकीय सेवकों के पेंशन सहित अन्य वित्तीय भुगतानों के प्रकरण त्वरित निराकृत किये जायें। प्रकरणों के निराकरण में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता नहीं बरती जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी पेंशन और वित्तीय भुगतान के प्रकरण किसी भी हाल में लंबित नहीं रहें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये है कि राजस्व महाअभियान के लक्ष्य भी निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किये जायें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण एवं अंतर-विभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम तथा जन सेवा से संबंधित लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों से संबंधित प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज आवेदनों के निराकरण के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में चल रहे राजस्व प्रकरणों के निराकरण के महाअभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हर हाल में तय समय-सीमा में की जाए। सभी लंबित राजस्व मामलों का प्राथमिकता से निराकरण हो ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

hindkush.in
24x7 News portal

दैनिक हिन्दकुश

jagrayam.com
online news magazine

सर्वे भवन्तु सुखिनः

भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वचछता सर्वेक्षण 2024 में उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त होने पर विधायक, महापौर एवं निगम अध्यक्ष द्वारा सफाई मित्रों का सम्मान करते हुए मनोबल बढ़ाया

वार्ड क्र. 44 एवं 43 में किया गया सफाई मित्रों का सम्मान

उज्जैन। नगर निगम के सफाई मित्रों की मेहनत के फल स्वरुप हमारा उज्जैन शहर स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की सुपर स्वच्छता लीग में नंबर वन आया है इसी क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा की गई अपील के क्रम में जनप्रतिनिधियों, व्यवसाईयों, सामाजिक संगठनों द्वारा सफाई मित्रों का सम्मान किया जा रहा है।

वार्ड क्रमांक 44 में सफाई मित्रों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित करते हुए साथ में स्वल्पाहार किया गया।

मंगलवार को वार्ड क्रमांक 44 के सफाई मित्रों का उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती नीलम राजा कालरा द्वारा वार्ड के सफाई मित्रों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सम्मान करते हुए उपस्थित सफाई कर्मचारियों का तिलक लगाकर स्वागत किया साथ ही सफाई मित्रों के साथ एक साथ बैठकर उपस्थित अतिथियों द्वारा स्वल्पाहार किया गया साथ ही उज्जैन बना है नंबर वन उज्जैन रहेगा नंबर वन के स्वच्छता स्लोगन के नारे एक साथ लगाए गए।

इस दौरान नगर उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव, श्री जगदीश पांचाल, मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश पोरवाल, श्री मुक्तक गोस्वामी, श्री रितेश जटिया, श्री विजय चौहान, सर्वश्री यशवंत पटेल, श्री शानू मेहता, श्री अशोक केथवास, श्री सुभाष डोडिया उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 43 के सफाई मित्रों पर पुष्पवर्षा करते हुए सम्मान किया गया वार्ड क्रमांक 43 के सफाई मित्रों का सम्मान उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुरभि सुनील चावंड, की उपस्थित में पुष्पवर्षा करते हुए एवं पुरस्कार देकर सम्मान किया गया।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष श्री हरीश सोलंकी, नगर उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव, श्री आनंद खींची, श्री दिनेश जाटवा एवं वार्ड के सफाई मित्र उपस्थित रहे।

वार्ड 47 में डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारंभ, बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जागरूकता

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 47 स्थित परवाना नगर आंगनवाड़ी केंद्र पर डायरिया सह दस्तक अभियान का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। यह जनहितकारी अभियान 22 जुलाई से 16 सितंबर 2025 तक लगातार 45 दिन तक चलेगा। इस दौरान 5 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई जाएगी और एनीमिया, निमोनिया एवं कुपोषण की जांच कर आवश्यक उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा केशव नगर मंडल अध्यक्ष गजेंद्र खत्री थे। विशेष अतिथि के रूप में पार्षद प्रतिनिधि गोपाल बलवानी और अजा मोर्चा मंडल महामंत्री संदीप टटवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देना ही उज्जवल भविष्य की नींव है।

मुख्य अतिथि गजेंद्र खत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, विकास पुरुष डॉ. मोहन यादव का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हीं के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य, पोषण और जनकल्याण की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का संकल्प है कि कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे और सभी को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग और आंगनवाड़ी का स्टाफ भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहा। प्रमुख रूप से एएनएम हर्ष सूर्यवंशी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा कुंडल, आशा कार्यकर्ता मीना जाटव, आंगनबाड़ी सहायिका वर्षा टटवाल सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई और घर-घर जाकर जांच करने का संकल्प लिया गया।

24 जुलाई को कालिदास अकादमी में होगा हास्य कवि सम्मेलन

उज्जैन। 24 जुलाई गुरुवार को संध्या 6.30 से कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में जैन कवि संगम तथा रुद्राक्ष होम स्टे के संयुक्त तत्वावधान में सारथी परिवार द्वारा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त कवि सम्मेलन में मुकेश शांडिल्य खरगोन, विकास बैरागी नरसिंहपुर, पंडित अशोक नागर शाजापुर, निशा पंडित उज्जैन, वेद पस्तोर टीकमगढ़, सुगनचंद जैन उज्जैन एवं राजेंद्र जैन उज्जैन आदि काव्य पाठ करेंगे। जैन कवि संगम के प्रदेश अध्यक्ष सुगचन्द जैन एवं सचिव राजेंद्र जैन ने अधिक से अधिक संख्या में अपने सभी इष्ट मित्रों को पधारने हेतु निवेदन किया है। कवि सम्मेलन का संचालन प्रसिद्ध हास्य कवि पंडित अशोक नागर शाजापुर करेंगे। सभी साथीगण इस कवि सम्मेलन में सादर आमंत्रित है।

समन्वय ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की शिक्षण सामग्री

उज्जैन। जैन सोशल ग्रुप नव सृजन म.प्र. रीजन द्वारा सामाजिक गतिविधियों को सशक्त रूप देने हेतु जुलाई माह में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर शिक्षा को प्रोत्साहन देना रहा।

इसी क्रम में जैन सोशल ग्रुप समन्वय द्वारा शासकीय प्राथमिक विद्यालय, मेंडिया में सेवा गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों को कॉपी, पेन, पेंसिल एवं अन्य शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जयंतीलाल फाफरिया ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, ÷सार्थक सेवा वही है, जो आने वाली पीढ़ी को संबल प्रदान करे।÷ संस्था अध्यक्ष नगीन नलवाया ने कहा ÷नव सृजन÷ का यह प्रयास न केवल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि समाज के प्रति जागरूकता एवं दायित्व बोध का भी प्रतीक है। इस अवसर पर महेन्द्र मारू, सुगनचंद जैन, इंजी. संदीप जैन, शैलेन्द्र बापना, पारस जैन, विनोद जैन, आशीष फाफरिया, नरेंद्र संचेती, अंकुर पारख, रमेश बापना एवं संजय चहेती सहित कई सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल थावरचन्द गेहलोत महात्मा अंकित की 41वीं जन्म जयंती पर 34वें राष्ट्रीय वर्षा मंगल महोत्सव का शुभारंभ किया

उज्जैन। यह भी कहा- मैं देश की अनेक संस्थाओं में गया हूं किन्तु इस प्रकार की सेवा मैंने कहीं नही देखी, इसी कारण मुझे सुधीर भाई जब भी बुलाते है तो में सहृदयता के साथ आ जाता हूं। थावरचन्द गेहलोत राज्यपाल को सेवाधाम राष्ट्रीय गौरव सम्मान, डॉ. शंकर कुमार सान्याल को सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्र सेवी सम्मान एवं सतीश मालवीय विधायक को अंकितग्राम, ग्रामोदय सम्मान से सम्मानित कर पौधारोपण किया।

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम उज्जैन में महात्मा अंकित की 41वीं जन्म जयंती पर 'अंकितोत्सव' अंतर्गत 34वें राष्ट्रीय वर्षा मंगल महोत्सव एवं मित्र मिलन समारोह का मुख्य अतिथि कर्नाटका राज्यपाल थावरचंद गेहलोत विशेष अतिथि सतीश मालवीय विधायक घट्टिया एवं डॉ. शंकर कुमार सान्याल, राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिजन सेवक संघ एवं आश्रम संस्थापक सुधीर भाई सहित 22 राज्यों से आए नरेश यादव पूर्व राज्य सभा सदस्य, राजू भाई परमार पूर्व राज्य सभा सांसद, प्रेमा करियप्पा पूर्व राज्यसभा सदस्य, पद्मश्री उमाशंकर पाण्डे जल यौद्धा, श्याम बंसल, पूर्व अध्यक्ष उज्जैन विकास प्राधिकरण, पद्मश्री धर्मपाल सेनी, श्रीमती कांता भाभी, उर्मिला श्रीवास्तव, प्रसिद्ध आर्टिस्ट हिना चक्रवर्ती, डॉ. निशा बाल त्यागी आदि की उपस्थिति में सदुरू रणछोड़दासजी महाराज, महात्मा गांधी एवं महात्मा अंकित के चित्र के समक्ष विकास दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में माननीय थावरचन्द गेहलोत का सम्मान कर 'सेवाधाम राष्ट्रीय गौरव सम्मान' से सम्मानित किया। साथ ही डॉ. शंकर कुमार सान्याल को सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्र सेवी सम्मान एवं सतीश मालवीय विधायक घट्टिया को अंकितग्राम, ग्रामोदय सम्मान से सम्मानित किया। दृष्टिबाधित भोली अग्रवाल द्वारा वैष्णव जन तो तेने कहिए गीत सुनाया। इस अवसर पर प्रसिद्ध आर्टिस्ट हिना चक्रवर्ती द्वारा बनाई सुधीर भाई की पेंटिंग भी भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन संजय राय एवं आभार डॉ. निशा बाला त्यागी सचिव हरिजन सेवक संघ ने माना।

कर्नाटका के राज्यपाल महामहिम थावरचन्द गेहलोत का मुख्य द्वार पर आश्रम संस्थापक सुधीर भाई, श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी, गौरी दीदी एवं हरिजन सेवक संघ के समस्त पदाधिकारियों सहित आश्रम के विशेष बच्चों द्वारा तैयार सदुरू बैण्ड एवं माउली गीत से स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर थावरचन्द गेहलोत एवं माननीय अतिथियों द्वारा अतिरिक्त कक्ष निर्माण का लोकार्पण किया। सुधीर भाई ने बताया कि थावरचन्द जी गेहलोत द्वारा पूर्व में राज्यसभा निधि से अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु राशि प्रदत्त की गई थी उसी हॉल का लोकार्पण माननीय के कर कमलों द्वारा कर महात्मा गांधी को सूतांजलि अर्पित कर पौधा रोपण किया।

श्री केशरियानाथ माणिभद्र यक्षराज तीर्थ में 24 जुलाई को होगी गुरु गुणानुवाद सभा

उज्जैन। श्री केशरियानाथ माणिभद्र यक्षराज तीर्थ भेरुगढ़ पर परम पूज्य आचार्य श्री सागरानंदसागरसूरिश्वर जी म.सा. की 151वीं जन्म जयंती के अनुपम अवसर पर कल 24 जुलाई गुरूवार को गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन होगा।

श्री आदेश्वर-चन्दप्रभुजी ट्रस्ट, नयापुरा के मीडिया प्रमुख विकास कोठारी व प्रदीप दख ने बताया की श्री केसरियानाथ-माणिभद्र यक्षराज तीर्थ भेरुगढ़ पर चातुर्मास हेतु विराजित आचार्यश्री अशोकसागरसूरिश्वर जी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि परम पूज्य आचार्य श्री सागरनंदसागरसूरिश्वर जी म.सा. जैसे महान संत विरले ही धरती पर जन्म लेते हैं, जिनका जीवन स्वयं में एक ग्रंथ है और जिनकी साधना साक्षात मोक्ष का मार्ग दिखाती है। उनकी 151वीं जन्म जयंती केवल उत्सव नहीं, आत्मचिंतन और आदर्श जीवन को अपनाने का अवसर है, उनके आचरण से संयम की सजीव झलक मिलती थी। उन्होंने आजीवन कठिन तपस्या, उपवास और योग के माध्यम से आत्मशुद्धि का मार्ग अपनाया, वर्षीतप, अट्ठाई, मासक्षमण जैसे व्रत उनके लिए सामान्य थे, उन्होंने सांसारिक सुखों का त्याग कर आत्मकल्याण का मार्ग चुना, उनका वैराग्य असंख्य मुमुक्षुओं के लिए आज प्रेरणास्त्रोत बन गया। उनका अधिकतम जीवन मौन में बीता है ओर वे दिन में कई समय तक गहन ध्यान और आत्मचिंतन में लीन रहते थे उन्होंने जैन आगम, सिद्धांत और तत्वज्ञान में गहरी समझ थी, उनके प्रवचनों में तत्त्वज्ञान सरलता से प्रवाहित होता था तथा उनका जीवन बहुत ही सरल, सात्विक और अनुपम था उन्होंने कभी आडंबर या प्रचार की इच्छा का भाव नहीं रखा तथा जीवन में उन्होंने किसी से द्वेष नहीं रखा, उनके व्यवहार में समता, करुणा और क्षमा का अद्भुत समावेश था एवं उनके शिष्य उनके प्रति अपार श्रद्धा रखते थे आचार्य श्री ना केवल मार्गदर्शक थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com